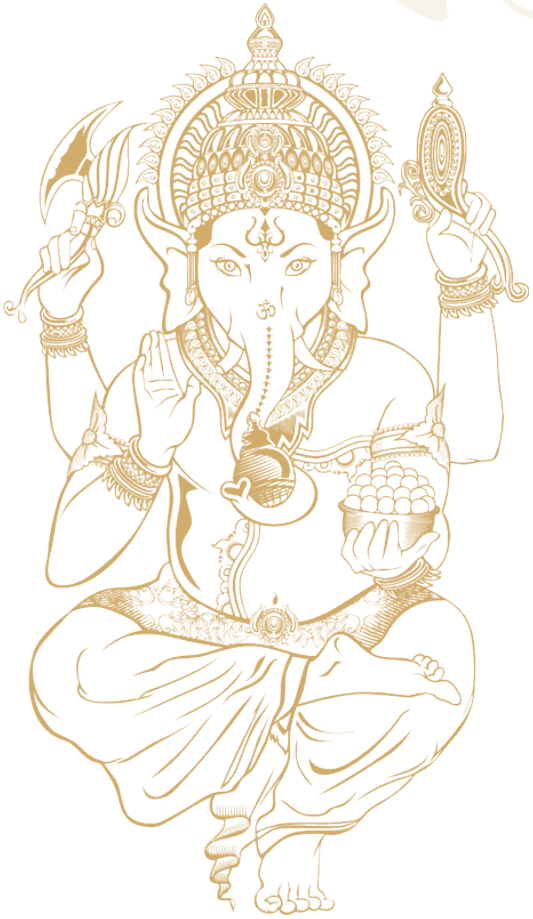

Durgesh

19 Mar 2026

12:20 AM

Jaitaran

Model: web-freekundliweb

Order No: 121679102

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**18-19/03/2026**
दिन	बुध-गुरुवार
जन्म समय	**00:20:00 घंटे**
इष्ट	44:08:24 घटी
स्थान	**Jaitaran**
राज्य	Rajasthan
देश	India

अक्षांश	26:14:00 उत्तर
रेखांश	74:00:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:34:00 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	23:46:00 घंटे
वेलान्तर	-00:08:05 घंटे
साम्पातिक काल	11:31:22 घंटे
सूर्योदय	06:40:38 घंटे
सूर्यास्त	18:43:59 घंटे
दिनमान	12:03:21 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	वसन्त
सूर्य के अंश	03:57:17 मीन
लग्न के अंश	18:24:34 वृश्चिक

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	वृश्चिक - मंगल
राशि-स्वामी	**मीन - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**पू०भाद्रपद - 4**
नक्षत्र स्वामी	गुरु
योग	शुभ
करण	नाग
गण	मनुष्य
योनि	सिंह
नाड़ी	आद्य
वर्ण	विप्र
वश्य	जलचर
वर्ग	सर्प
युँजा	अन्त्य
हंसक	जल
जन्म नामाक्षर	दी-दीपांकर
पाया(राशि-नक्षत्र)	रजत - लौह
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मीन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			वृश्चि	18:24:34	314:41:30	ज्येष्ठा	1	18	मंगल	बुध	बुध	---
सूर्य			मीन	03:57:17	00:59:42	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	शनि	मित्र राशि
चंद्र			मीन	00:25:28	13:52:55	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	चंद्र	सम राशि
मंगल		अ	कुंभ	18:31:30	00:47:11	शतभिषा	4	24	शनि	राहु	चंद्र	सम राशि
बुध	व		कुंभ	14:28:26	00:12:26	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	सम राशि
गुरु			मिथु	20:57:25	00:01:29	पुनर्वसु	1	7	बुध	गुरु	गुरु	शत्रु राशि
शुक्र			मीन	21:05:35	01:14:20	रेवती	2	27	गुरु	बुध	शुक्र	उच्च राशि
शनि		अ	मीन	09:40:28	00:07:28	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	सम राशि
राहु	व		कुंभ	14:44:56	00:01:05	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	केतु	मित्र राशि
केतु	व		सिंह	14:44:56	00:01:05	पू०फाल्गुनी	1	11	सूर्य	शुक्र	शुक्र	शत्रु राशि
हर्ष			वृष	04:00:53	00:02:06	कृतिका	3	3	शुक्र	सूर्य	शनि	---
नेप			मीन	07:28:45	00:02:16	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	केतु	---
प्लूटो			मक	10:44:31	00:01:17	श्रवण	1	22	शनि	चंद्र	चंद्र	---
दशम भाव			सिंह	27:59:04	--	उ०फाल्गुनी	--	12	सूर्य	सूर्य	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:13:30

लग्न-चलित

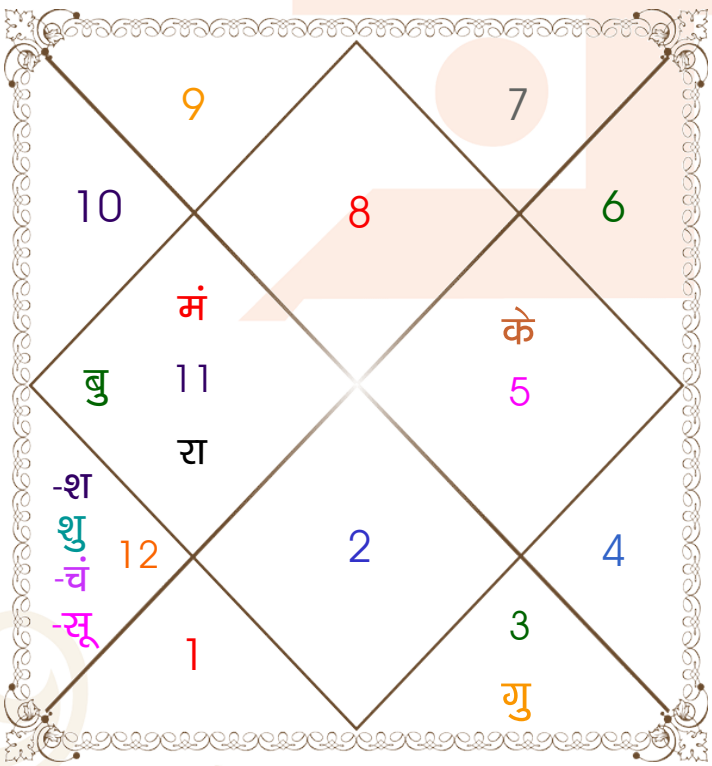

चन्द्र कुंडली

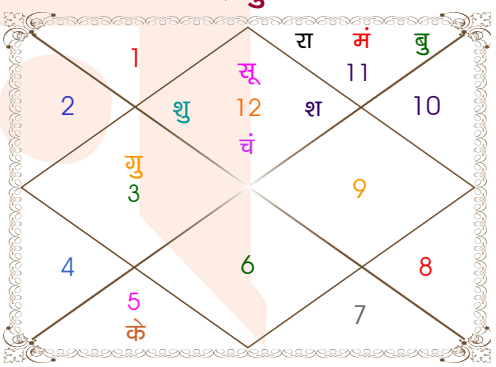

नवमांश कुंडली

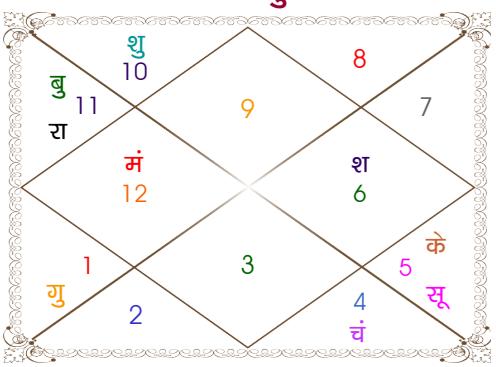

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : गुरु 3 वर्ष 5 मास 27 दिन

गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष	
19/03/2026		13/09/2029		13/09/2048		13/09/2065		13/09/2072	
13/09/2029		13/09/2048		13/09/2065		13/09/2072		13/09/2092	
	00/00/0000	शनि	16/09/2032	बुध	10/02/2051	केतु	10/02/2066	शुक्र	14/01/2076
	00/00/0000	बुध	27/05/2035	केतु	07/02/2052	शुक्र	12/04/2067	सूर्य	13/01/2077
	00/00/0000	केतु	05/07/2036	शुक्र	08/12/2054	सूर्य	18/08/2067	चंद्र	14/09/2078
	00/00/0000	शुक्र	05/09/2039	सूर्य	14/10/2055	चंद्र	18/03/2068	मंगल	14/11/2079
	00/00/0000	सूर्य	17/08/2040	चंद्र	15/03/2057	मंगल	14/08/2068	राहु	14/11/2082
	19/03/2026	चंद्र	18/03/2042	मंगल	12/03/2058	राहु	01/09/2069	गुरु	15/07/2085
चंद्र	15/05/2026	मंगल	27/04/2043	राहु	28/09/2060	गुरु	08/08/2070	शनि	13/09/2088
मंगल	21/04/2027	राहु	03/03/2046	गुरु	04/01/2063	शनि	17/09/2071	बुध	15/07/2091
राहु	13/09/2029	गुरु	13/09/2048	शनि	13/09/2065	बुध	13/09/2072	केतु	13/09/2092

सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष	
13/09/2092		14/09/2098		14/09/2108		15/09/2115		14/09/2133	
14/09/2098		14/09/2108		15/09/2115		14/09/2133		00/00/0000	
सूर्य	01/01/2093	चंद्र	15/07/2099	मंगल	10/02/2109	राहु	28/05/2118	गुरु	03/11/2135
चंद्र	02/07/2093	मंगल	13/02/2100	राहु	01/03/2110	गुरु	21/10/2120	शनि	16/05/2138
मंगल	07/11/2093	राहु	15/08/2101	गुरु	05/02/2111	शनि	28/08/2123	बुध	21/08/2140
राहु	02/10/2094	गुरु	15/12/2102	शनि	16/03/2112	बुध	16/03/2126	केतु	28/07/2141
गुरु	21/07/2095	शनि	15/07/2104	बुध	13/03/2113	केतु	04/04/2127	शुक्र	28/03/2144
शनि	02/07/2096	बुध	15/12/2105	केतु	09/08/2113	शुक्र	03/04/2130	सूर्य	14/01/2145
बुध	09/05/2097	केतु	16/07/2106	शुक्र	09/10/2114	सूर्य	26/02/2131	चंद्र	20/03/2146
केतु	13/09/2097	शुक्र	16/03/2108	सूर्य	14/02/2115	चंद्र	27/08/2132		00/00/0000
शुक्र	14/09/2098	सूर्य	14/09/2108	चंद्र	15/09/2115	मंगल	14/09/2133		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल गुरु 3 वर्ष 5 मा 16 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

ज्योतिषीय संरूपण आकृति से यह परिलक्षित हो रहा है कि आपका जन्म जयेष्ठा नक्षत्र के प्रथम चरण में वृश्चिक लग्न में हुआ था। वृश्चिक लग्नोदय काल धनु राशि का नवमांश एवं मीन राशि का द्रेष्काण भी उदित था। आपका जन्म कालिक प्रभाव यह सूचित कर रहा है कि आप अपना विचार तो किसी अन्य कार्य के सम्बन्ध में रखते हैं, परंतु आप उद्देश्य के विपरीत कार्य सम्पादन करते हैं। आपके जीवन का लक्ष्य है कि आप पर्याप्त मात्रा में धनोपार्जन कर लें ताकि अपना आनन्दमय जीवन सुखपूर्वक बिता सके।

आपके बाहरी भाव से ऐसा परिदृश्य हो रहा है कि आप उच्चकोटि के धार्मिक प्राणी हैं। आप वार्ताक्रम में यह आश्वस्त कर देते हैं कि वस्तुतः क्या ठीक अथवा क्या गलत हैं। आपका आचरण धार्मिक है तथा आप उच्चस्तरीय धार्मिक प्राणी हैं। परन्तु आपकी आन्तरिक भावना यह है कि आप विपरीत बातों के प्रति अपना धार्मिक उपदेश प्रदान करें। वास्तव में आपका झुकाव धन प्राप्ति की ओर रहती हैं। आपके मन में धन प्राप्ति के प्रति प्रबल उत्कंठा रहती हैं कि अपने जीवन का सम्पूर्ण आनन्द प्राप्त करें।

आप किसी भी प्रकार की अभद्रता पूर्ण कार्य-कलाप को त्यागने के लिए सक्षम हैं। आप पूर्ण शिक्षित, कुशाग्रबुद्धि के चालाक व्यक्ति हैं। आपमें यह विशेषता विद्यमान है कि आप जनसामान्य को अपनी ओर आकृष्ट कर लेते हैं। क्योंकि आपमें भाषा के प्रति अभिरूचि रहती है। आप काव्य-कला और सामान्य भाषा के ज्ञाता है। आपके लिए व्यवसायों में अनुकूल प्रेस, प्रकाशन, विज्ञापन, प्रचार, पुस्तकों का प्रकाशन तथा वाद्य यंत्र का निर्माण कार्य उपयुक्त है। यदि आपकी अभिरूचि हो तो आप अभियंत्रिकी कार्य भी सम्पादन कर सकते हैं।

आपको अच्छी प्रकार से यथेष्ठ धन प्राप्ति के सभी सुन्दर सुअवसर प्राप्त होंगे। परन्तु आप बहुतायत में धन का व्यय भी करेंगे। आप चाहते है कि जनसामान्य के दृष्टिकोण में प्रभावशाली दृश्य हों तथा मूल्यवान साज शय्याओं से युक्त घर सुसज्जित दिखें तथा आधुनिक सौन्दर्य से युक्त हो।

आप प्रेम प्रसंग में भी कुछ उपयुक्त हो सकते हैं। आप अपने जीवन संगिनी के प्रति श्रद्धा रखते हुए अत्यधिक द्रवित हो जाते हो। परन्तु यदि वह अस्वस्थ्यता प्रदर्शित करती है तो आप इसे भाग्य की विडम्बना समझकर अन्य स्त्री के साथ सम्बन्ध स्थापित करने को उद्यत हो जाते हो तथा इसे दुखद अनुभव करते हो तथा इसे संभावित घटना समझकर परित्याग करते हो। आप अपनी जीवन संगिनी के चयन के पूर्व आप अपने घरेलू कार्य-क्रम को विधिवत सम्पादित करते रहेंगे। आप अपने उत्तम जीवन-संगिनी के चयन एवं उत्तम तारतम्यता हेतु उस स्त्री का चयन करें जिसका जन्म वृश्चिक, कर्क, वृष, कन्या अथवा मकर राशि में हुआ हो।

आपका वासनात्मक उन्माद आपके स्वास्थ्य को समस्याग्रस्त बना सकता है। जिससे आपका गुप्तांग प्रभावित हो जायगा। अतः रोमांचकारी सीमा पर सावधानी पूर्वक चलें। इसके अतिरिक्त अन्य रोग यथा बवासीर एवं ट्यूमर रोग से भी आपका स्वास्थ्य अद्योगति को प्राप्त कर सकता है। अतः आपके लिए उचित मार्ग यह है कि आप अपने स्वास्थ्य के प्रति पूर्ण

सतर्क रहें, अन्यथा आपके जीवन के 13 वें 27 वें एवं 49 वें वर्ष में गंभीर स्वास्थ्य बाधा उपस्थित हो जाएगी। यदि आप सुनियोजित ढंग से समुचित सतर्कता बरतें तो उपरोक्त रोगों से सुरक्षित रह सकते हैं।

आपके लिए रंगों में अनुकूल रंग, नारंगी, लाल, पीला एवं क्रीम रंग है। परंतु आप सफेद, हरा एवं नीले रंगों का परित्याग करे।

आपके लिए अंकों में अनुकूल 1, 2, 3, 4 एवं 9 अंक अनुकूल एवं ग्राह्य है। परंतु अंक 5, 6 एवं 8 अंक अव्यवहारणीय है।

असाप्ताहिक दिनों में आपका भाग्यशाली दिन रविवार, सोमवार, एवं मंगलवार, है। आपके लिए वास्तव में शुक्रवार, बुधवार एवं शनिवार का दिन अनुकूल नही है।